Asian Journal of Multidisciplinary Studies

ISSN: 2321-8819 (Online)
2348-7186 (Print)
Impact Factor: 1.498
Vol.4, Issue 9, August 2016

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर शिक्षकों के मनोबल पर एक अध्ययन

जहाँ आरा
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग
करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स पी0जी0 कालेज लखनऊ

सार: मनोबल की प्रक्रिया किसी न किसी रूप से यहाँ संचालित होती रहती है जहाँ "समूह" की सरंचना होती है। कुल मिलाकर यह कह सकते है कि मनोबल समूह की देन है। समूह के व्यवहारिक पक्ष का जब भी अध्ययन किया जायेगा तभी मनोबल को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में विशिष्ट स्थान दिया जायेगा। मनोबल उच्च तथा निम्न दो प्रकार का होता है। सामान्यता मनोबल के मानसिक तथा सामाजिक दो पहलू हेाते है मनोबल के मानसिक पहलू में अधिकारियों के प्रति अध्यापकों की मनोवृत्ति विद्यालय की व्यवस्था एवं शिक्षण है। मनोबल के सामाजिक पहलू में शिक्षकों का सामाजिक व्यवहार दृष्टिगोचर होता है।

Key Words: "समूह" व्यवहारिक पक्ष

शिक्षण क्षेत्र में मनोबल को प्रभावित करने वाले कारक अन्य क्षेत्रों के कारको से भिन्न है। वैसे तो सभी क्षेत्रों में मनोबल के स्थायित्व एवं गतिशील के लिये यह आवश्यक है कि व्यक्ति अपने कार्य से सुख की अनुभूति हो तथा उसे हमेशा कार्य करने में संतोष हो। इस प्रकार संतोष एक ऐसी दशा है जो मनोबल को प्रभावित करता है।

औद्योगिक क्रान्ति के विकास के पूर्व मनोबल शब्द का प्रयोग प्रायः सेना के कार्यो तथा सैनिको के क्षेत्रों में ही किया जाता था। कभी–कभी सामाजिक क्षेत्रों में भी इसका उपयोग किया जाता था। आज मनोबल की इतनी महत्ता हो गयी है कि केवल सेना में ही नही बल्कि स्कूल और उद्योग में सार्वजनिक रूप से प्रयोग किया जाता है। किसी भी क्षेत्र में इसका प्रयोग किया जायें, इसका केन्द्रीय अर्थ सभी लोगो द्वारा पूर्ण सहयेाग की भावना के संदर्भ में होता है।

मनोबल की प्रक्रिया किसी न किसी रूप से यहाँ संचालित होती रहती है जहाँ "समूह" की सरंचना होती है। कुल मिलाकर यह कह सकते है कि मनोबल समूह की देन है। समूह के व्यवहारिक पक्ष का जब भी अध्ययन किया जायेगा तभी मनोबल को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में विशिष्ट स्थान दिया जायेगा।

आइजनेक और उनके साथियों (1972) के अनुसार – "मनोबल वह शब्द है जिसका सामान्य अर्थ समूह, समूह के लक्ष्यों और नेतृत्व के प्रति धनात्मक अभिवृत्ति से है।"

मारिस वाइटलेस के अनुसार– "मनोबल किसी सामान्य लक्ष्य के सम्बन्ध में व्यक्ति की भावनांए तथा वृद्धि की दिशा की उपज है।"

मनोबल एक प्रकार का हौसला है। उसे मनोवृत्ति की भी संज्ञा दी जाती है। इस मनोवृत्ति (मनोबल) के द्वारा अध्यापक अपने को संतुष्ट पाता है। वह जिस क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है। वह उसके लिये पूर्ण संतोषजनक होता है।

मनोबल उच्च तथा निम्न दो प्रकार का होता है। सामान्यता मनोबल के मानसिक तथा सामाजिक दो पहलू हेाते है मनोबल के मानसिक पहलू में अधिकारियों के प्रति अध्यापकों की मनोवृत्ति विद्यालय की व्यवस्था एवं शिक्षण है। मनोबल के सामाजिक पहलू में शिक्षकों का सामाजिक व्यवहार दृष्टिगोचर होता है।

शिक्षण क्षेत्र में मनोबल को प्रभावित करने वाले कारक अन्य क्षेत्रों के कारको से भिन्न है। वैसे तो सभी क्षेत्रों में मनोबल के स्थायित्व एवं गतिशील के लिये यह आवश्यक है कि व्यक्ति अपने कार्य से सुख की अनुभूति हो तथा उसे हमेशा कार्य करने में संतोष हो। इस प्रकार संतोष एक ऐसी दशा है जो मनोबल को प्रभावित करता है। वेतन, पदोन्नति, कार्य की दशांए, अपने कार्य के विषय में जानने की इच्छा, लक्ष्य प्राप्ति की चेतना, आवश्यकता की संतुष्टि, निश्चित लक्ष्य, लाभ और लाभ में समता, समय का ज्ञान, संगठन ओर लवलीनता की भवनाएं अधिकारी, पद स्थिति, अधिकारियों की सहिष्णुता, सामाजिक कारक, आर्थिक कारक एवं भौतिक कारक आदि मनोबल को प्रभावित करते है।

अध्यापकों की सराहना और प्रशंसा उनके मनोबल को बढ़ाती है। उनका सामाजिक जीवन जितना स्वस्थ होगा मनोबल इतना ही उन्मुख होगा। उसका मनोबल स्थिर होगा और उन्नति की दिशा में बढ़ता रहेगा।

अध्यापक मनोबल से लाभ– मनोबल शिक्षा का वास्तविक उपकरण है। शिक्षा के गुणों को सुधारने में अध्यापक मनोबल का विकास एक बहुत आवश्यक चरण है। जब अध्यापक में काम की रूचि होगी वह सुख की अनुभूति करेगा तथा कार्य करने के लिए वातावरण उसके मनोबल को बनाये रखेगा तो शिक्षण स्वतः ही अच्छा हो जायेगा अब तो प्रत्येक कार्य के क्षेत्र में प्रोत्साहन की आवश्यकता है जो मनोबल का आधार होता है।

अध्यापक मनोबल विद्यालय संगठन एवं प्रशासन में सहायक है–

उच्च मनोबल होने पर शिक्षक का स्कूल से तादात्म्य स्थापित हो जाता है।

विद्यालय के कार्य में सहायक– अध्यापक का मनोबल उसके प्रत्येक कार्य की पूर्ति में सहायक होता है। शिक्षक और शिक्षार्थी के पारस्परिक सम्बन्ध में सहायक – शिक्षक को विद्यार्थी की प्रवृत्तियों, मनोवृत्तियों रूचियों, रूझानों क्षमताओं तथा योग्यताओं एवं आवश्यकताओं का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। उच्च मनोबल इसमें सहायक है।

अच्छे शिक्षण में सहायक– अध्यपक में अच्छा मनोबल होने पर वह काम लगन और उत्साह के साथ करता है।

कार्य संतोष की भवना में वृद्धि– जिस अध्यापक का मनोबल ऊँचा होगा वह अपने कार्य के प्रति संतुष्ट होगा।

एकता में सहायक – मनोबल समूह के कार्य करने के स्तर, एकता एंव संगठन तथा उसकी सामूहिक भावना की ओर संकेत करती है।

कर्तव्य परायणता में वृद्धि – अच्छा मनोबल शिक्षक को कर्तव्य परायण बनाता है वह अपने कार्य में पूर्ण रूप से लगा रहता है।

उच्च सफलता में सहायक – सफलता कार्य का पुरस्कार है कार्य में लगन के लिए अच्छा मनोबल का होना आवश्यक है।

स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सहायक – विद्यालय के वातावरण को अच्छा बनाने में अध्यापक का योगदान होता है यह अच्छे मनोबल में ही संभव है।

प्रस्तुत अनुसंधान हेतु शीर्षक – ''प्राथमिक विद्यालय स्तर पर शिक्षकों के मनोबल का अध्ययन'' प्रस्तावित किया गया।

उद्देश्य (Objective)–प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित है –

1. पुरूष तथा महिला अध्यापकौं के मनोबल में अंतर का अध्ययन करना।
2. गोरखपुर नगर में राजकीय तथा अराजकीय विद्यालय के अध्यापकों के मनोबल में भिन्नता का अध्यापन करना।
3. विवाहित तथा अविवाहित अध्यापकों के मनोबल का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. शिक्षण अनुभव और अध्यापक मनोबल के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।
5. शिक्षण की शैक्षिक योग्यता और मनोबल के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं (Hypothesis) :– उपरोक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित परिकल्पाएं बनायी गयी :–

1. लिंग का अध्यापक मनोबल के साथ सार्थक सम्बन्ध है।
2. राजकीय तथा अराजकीय विद्यालय के अध्यापकों का मनोबल के साथ सह सम्बन्ध है।
3. वैवाहिक स्थिति का अध्यापक मनोबल के साथ सार्थक सम्बन्ध है।
4. शिक्षण अनुभव का अध्यापक मनोबल के साथ सार्थक सम्बन्ध है।
5. आयु का अध्यापक मनोबल के साथ सार्थक संबन्ध हैं
6. शैक्षिक योग्यता का अध्यापक मनोबल के साथ सार्थक संबंध है।

अध्ययन विधि एवं प्रक्रिया – Methods of Procedure :-

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है –

जनसंख्या एवं प्रतिचयन – (**Population & Sampling**) इस अध्ययन हेतु गोरखपुर नगर के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाने वाले समस्त अध्यापकों को जनसंख्या के रूप में परिभाक्षित किया गया।

कृमबद्ध यादृच्छिक (**Systematic Random Sampling**) :–

प्रतिचयन के आधार पर न्यादर्श का चयन किया गया। 20 प्रतिशत शिक्षकों का चयन किया गया है। इस प्रकार प्रत्येक पांचवी इकाई का प्रतिचयन करते हुए 250 अध्यापकों का चयन किया गया।

प्रयुक्त उपकरण – (**Tool Used**) – प्रस्तुत शोध में डा0 प्रकाश चन्द्र शुक्ल की अध्यापक मनोबल मापनी का प्रयोग किया गया जो कि लिकर्ट प्रकार की है। इसमें कथनों की कुल संख्या 50 है। इसमें क्रम प्राप्तांक 50 तथा सबसे अधिक 250 है।

इस मापनी की विश्वसनीयता गुणांक परीक्षण पुर्नपरीक्षण विधि से 0.85 पायी गई। इस प्रकार कहा जा सकता है कि मापनी विश्वसनीय है।

काई–स्क्वायर परीक्षण (X^2 Test)–प्रस्तुत अध्ययन में 2 ग 2 आकार वाली सभाव्यता सारणी के द्वारा गणना की गयी है जिसका सूत्र निम्नलिखित है।

$$(X^2 = \frac{N\ (AD-BC)^2}{(A+B)\ (C+D)\ (A+C)\ (B+C)}$$

अध्ययन की उपलब्धियां (Findings of the Study) :–

प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पानाओं के आधार पर निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त हुई–

1. प्रस्तुत अध्ययन में पुरूष एवं महिला अध्यापकों के मनोबल में सार्थक अन्तर पाया गया तथा महिला अध्यापिकाओं का मनोबल पुरूष अध्यापकों की अपेक्षा अधिक ऊँचा है।
2. इस अध्ययन में यह पाया गया कि राजकीय एवं अराजकीय विद्यालयों के अध्यापकों के मनोबल में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. प्रस्तुत अध्ययन में पाया गया कि वैवाहिक स्थिति का अध्यापक मनोबल के साथ सार्थक सम्बन्ध नहीं है। परन्तु अविवाहित अध्यापक 63 प्रतिशत उच्च मनोबल वाले जबकि 48 प्रतिशत ही विवाहित अध्यापक उच्च मनोबल वाले है।
4. इस अध्ययन में यह भी ज्ञात हुआ कि शिक्षण अनुभव का अध्यापक मनोबल के साथ कोई सार्थक सम्बन्ध नही है।
5. कम आयु वाले अध्यापक अधिक आयु वाले अध्यापकों की तुलना में अधिक उच्च मनोबल वाले है।
6. प्रस्तुत अध्ययन में पाया गया कि शैक्षिक योग्यता का अध्यापक मनोबल के साथ कोई सार्थक सम्बन्ध नही होता तथा जहां स्नातक अध्यापक 41 प्रतिशत उच्च मनोबल तथा 89 प्रतिशत निम्न मनोबल वाले है। वहीं स्नातकोत्तर अध्यापक 46 प्रतिशत उच्च मनोबल वाले 54 प्रतिशत निम्न मनोबल वाले है।

Reference

Blum. M.L. and T.C. Naylor, Industrial Psychology : ItsTheoretical and social Foundation New York Harper and Row, 1968.

Cilmer, B.V.H. et. at. Industrial and Organizational Psychology : New York MC Graw Hill 197.

Kerlinger : F.N. Foundation of Behavioral Research. New York : Holt Rinchort and Winston 1964.

Singh, Unesh, : A study of Teachers, values and Morale in Relation to their Effectiveness at secondary School level Ph.D. Thesis is Education, Gorakhpur University, 1989.

Shukla P.C. : Leadership Behavior in Relation to Teachers Morale Indian Educational Review (NCERT) April 1987, pp 105-111.

Shukla P.C. : A study of Administrative Effectiveness : Its relationship with teaches attitude, Job satisfaction and Morale, Journal of Educational Research and extension, 23 : 1, 1986, pp 26-32.